Raj Express (Indore), 15th July 2026, Page – 05

उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को राष्ट्रीय स्तर पर बनाया सुदृढ़

नए अवसरों, उद्योगों के तकनीकी और व्यावहारिक चुनौतियों पर किया मंथन

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। बेंगलुरु में छठी उद्योग बैठक (सीआईसी-सीएसआर) का आयोजन किया। इंदौर और नई दिल्ली में आयोजित पहले की पांच सफल- बैठकों के बाद आयोजित इस बेंगलुरु संस्करण में बेंगलुरु व आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों की 28 अग्रणी औद्योगिक इकाइयों के लगभग 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस उद्योग बैठक का मुख्य उद्देश्य आईआईटी इंदौर व उद्योग जगत के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को प्रोत्साहित करना, उभरते हुए अनुसंधान अवसरों की पहचान करना, उद्योगों के जटिल तकनीकी व व्यावहारिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना और नवाचार-आधारित व व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तकनीकी समाधानों के संयुक्त विकास को बढ़ावा देना था।

विशेषज्ञों ने रखी बात

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने संस्थान की अनुसंधान क्षमताओं, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और उद्योगों के साथ सहयोग के विविध अवसरों पर बात की। उन्होंने भारत सरकार के 1 लाख करोड़ के अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) फंड की जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल सरकार व सहभागी उद्योगों के बीच 5:50 सह-वित्तपोषण मॉडल के माध्यम से उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करती है। यह पहल संयुक्त अनुसंधान व नवाचार के लिए व्यापक अवसर प्रदान करती है और पात्र संयुक्त परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का आवंटन भी शुरू हो गया है। पहले तकनीकी सत्र में उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों व उभरते अवसरों पर बात की।